



NEWSLETTER

शनिवार, 13 जनवरी 2024 | वॉल्यूम - 80

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE

सीएआई ने 2023-24 कपास सीजन के लिए अपना दिसंबर का अनुमान 294.10 लाख गांठ पर बरकरार रखा है



GOLD : 62390
SILVER : 72573
CRUDE OIL : 6045

मध्यप्रदेश में इंदौर के जानेमाने कॉटन ब्रोकर श्री राजेश गुप्ता जी से वर्तमान मुद्दों पर हुई बातचीत का सारांश ।



"कपास की मांग: फैशन, आर्थिक स्थिति, और जनसंख्या वृद्धि का समीक्षात्मक अध्ययन"

श्री राजेश गुप्ता जी (कॉटन ब्रोकर), इंदौर

कपड़ा उद्योग: कपड़ा उद्योग के लिए कपास एक प्रमुख कच्चा माल है। कपास की मांग का धागे और कपड़े के उत्पादन से गहरा संबंध है। चीन, भारत और बांग्लादेश जैसे बड़े कपड़ा उद्योगों वाले देश कपास के महत्वपूर्ण उपभोक्ता हैं।

फैशन रुझान: उपभोक्ता की प्राथमिकताएं और फैशन रुझान भी कपास की मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कपास जैसे प्राकृतिक रेशों को अक्सर उनके आराम, सांस लेने की क्षमता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए पसंद किया जाता है, जिससे वे कपड़ों और घरेलू वस्त्रों में लोकप्रिय विकल्प बन जाते हैं।

आर्थिक स्थितियाँ: आर्थिक विकास और उपभोक्ता क्रय शक्ति कपड़ों और वस्त्रों की मांग को प्रभावित करती है। आर्थिक समृद्धि की अवधि के दौरान, लोग कपड़ों पर अधिक खर्च करते हैं, जिससे कपास की मांग में वृद्धि होती है।

जनसंख्या वृद्धि: जैसे-जैसे वैश्विक जनसंख्या बढ़ती जा रही है, कपास आधारित उत्पादों सहित वस्त्रों की मांग भी बढ़ रही है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते मध्यम वर्ग के कारण अक्सर कपड़ों और वस्त्रों की अधिक खपत होती है।

सरकारी नीतियां और व्यापार समझौते: सरकारी नीतियां, सब्सिडी और व्यापार समझौते भी कपास की मांग को प्रभावित कर सकते हैं। व्यापार नियमों, टैरिफ और सब्सिडी में बदलाव से वैश्विक बाजार में कपास की प्रतिस्पर्धात्मकता पर असर पड़ सकता है।

मौसम की स्थिति: कपास की खेती मौसम की स्थिति पर अत्यधिक निर्भर है। सूखा या बाढ़ जैसी प्रतिकूल मौसम की घटनाएं कपास की पैदावार को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे समग्र आपूर्ति और इसके बाद मांग और कीमतें प्रभावित हो सकती हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कपास बाजार की गतिशीलता बदल सकती है, और विभिन्न कारक जटिल तरीकों से बातचीत कर सकते हैं। कपास की मांग को समझने और भविष्यवाणी करने के लिए वैश्विक आर्थिक रुझानों, फैशन प्राथमिकताओं और कपड़ा उद्योग में विकास की निगरानी करना आवश्यक है।

राजेश जी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की रुई को विभिन्न मिल्स को सप्लाय करते हैं जिसमें महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, साउथ की मिल्स मुख्य हैं। वे मिल्स की वर्तमान परिस्थिति से अच्छी तरह अवगत हैं कि किन कारणों से कपास की मांग में तेजी मंदी हो सकती है, इस साल ऐसा कोन सा कारण है जिसकी वजह से कॉटन की मांग कमजोर है, इसकी जानकारी उन्होंने विस्तार पूर्वक उन परिस्थितियां को बताया की, इस साल कपड़ा या गारमेंट सेक्टर में डिमांड बहुत कम है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी यार्न की डिमांड कम है, इस वजह से यार्न का निर्यात बहुत कम है. साउथ की कई मिले आंशिक बंद पड़ी है, और जो मिल्स चल रही है उसमें से भी कई ने 30% से 50% प्रोडक्शन कम कर रखा है। पिछले करीब 14 महीनो से स्पिनिंग मिल्स नुकसान में ही काम कर रही है। जबकि पिछले साल से इस साल कपास की क्वालिटी अच्छी है। मिलों द्वारा रुई की सुस्त मांग व कपास के भाव कम होने से CCI बाजार में कपास खरीदी के लिए आ चुकि है। इस साल कॉटन सीजन जुलाई - अगस्त तक खत्म हो सकता है। हर साल की तरह सीजन लम्बा नहीं चलेगा क्योंकि किसान कपास स्टोर/-होल्ड करने की मुड में नहीं दिख रहा है, इसलिए जिनिंग इंडस्ट्रीज को कपास की क्वालिटी भी अच्छी मिल पा

कपास की मांग वैश्विक कपड़ा उद्योग, फैशन के रुझान, आर्थिक स्थिति और जनसंख्या वृद्धि सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। यहां कुछ प्रमुख कारक हैं जो कपास की मांग में योगदान करते हैं:

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 13.01.2024

ICE COTTON

MONTH	05.01.24	12.01.24	WEEKLY CHANGE
MARCH	80.19	81.31	1.12
MAY	81.35	82.29	0.94
JULY	82.15	82.94	0.79

MCX (COTTON)

JAN	56100	55760	-340
MAR	57520	57200	-320

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1545	1541.5	-3.5
-------	------	--------	------

NCDEX (COCUD KHAL)

JAN	2729	2678	-51
FEB	2756	2704	-52
MAR	2786	2732	-54

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.15	82.92	-0.23
PAK (Pakistani Rupee)	281.546	280.387	-1.159
CNY (Chinese yuan)	7.11482	7.12003	0.00521
BRAZIL (Real)	4.87520	4.86184	-0.01336
AUSTRALIAN Dollar	1.48940	1.49580	0.0064
MALAYSIAN RINGGITS	4.65213	4.64677	-0.00536

COTLOOK "A" INDEX	90.40	91.65	1.25
BRAZIL COTTON INDEX	81.96	81.11	-0.85
USDA SPOT RATE	76.33	77.49	1.16
MCX SPOT RATE	55280	55300	20
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	19000	1200

GOLD (\$)	2052.80	2053.50	0.7
SILVER (\$)	23.385	23.363	-0.022
CRUDE (\$)	73.95	72.76	-1.19

जनवरी 2024 माह के दूसरे सप्ताह इंटरनेशनल काँटन मार्केट में तेजी देखने को मिली |

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के मार्च 24 मई, 24 और जुलाई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 1.12, 0.94 और 0.79 सेंट तक भाव बढ़े |

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में गिरावट देखी गई | जनवरी माह सौदे के भाव में 340 रूपए प्रति कैंडी की गिरावट देखी गई |

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव 3.5 रूपए प्रति 20 किलो तक गिरे, वही खल के भाव में क्रमशः जनवरी और फरवरी माह में 51 और 52 रूपए प्रति क्विंटल की गिरावट हुई |

अन्य देशों के काँटन मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स में बहुत देखी गई, यूएसडीए स्पॉट रेट 1.16 सेंट गिरे और एमसीएक्स स्पॉट रेट 20 रूपए प्रति कैंडी बढ़ा, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 0.85 अंक की गिरावट दर्ज की गई है |

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	08.01.24	09.01.24	10.01.24	11.01.24	12.01.24	13.01.24
PUNJAB	2,500	2,500	2,500	2,500	2,000	1,500
HARYANA	5,000	5,000	5,000	4,500	5,000	5,000
UPPER RAJASTHAN	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000
LOWER RAJASTHAN	6,000	6,000	6,000	6,000	6,500	6,000
NORTH ZONE	21,500	21,500	21,500	21,000	21,500	20,500
GUJRAT	38,000	38,000	37,000	37,000	37,000	32,000
MADHYA PRADESH	8,000	10,000	13,000	12,000	15,000	10,000
MAHARASHTRA	50,000	45,000	45,000	45,000	45,000	50,000
CENTRAL ZONE	96,000	93,000	95,000	94,000	97,000	92,000
KARNATAKA	20,000	16,000	18,000	15,000	13,000	12,000
ANDHRA PRADESH	6,000	6,000	6,000	5,000	6,000	5,000
TELANGANA	45,000	45,000	50,000	25,000	30,000	28,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	71,000	67,000	74,000	45,000	49,000	45,000
ODISHA	2,500	3,000	3,500	4,500	4,500	3,500
TOTAL	191,000	184,500	194,000	164,500	172,000	161,000

ARRIVAL IN 170 Kg.



POONAM ENGINEERING WORKS

| All Pulses Dall Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant,
| Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.

Our New Established Farm



Gravity Separator



Vibro Separator (MTRA)



Sheet Cutting CNC Lezer Machine



Pulverizer



Centrifugal



Tubes Cutting CNC Lezer Machine

Grain Dryer



Grain Dryer Trolley



Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529, 0724-2991484

Office No. : +91 9371007484

Web : www.poonamengworks.in

Email : poonamengworks4@gmail.com

सीएआई ने 2023-24 कपास सीजन के लिए अपना दिसंबर का अनुमान 294.10 लाख गांठ पर बरकरार रखा है

COTTON ASSOCIATION OF INDIA

INDIAN COTTON BALANCE SHEET FOR THE SEASON 2023-24 AND 2022-23

Estimated as on 31st December 2023

SMART INFO SERVICES CALL 91119 77775

Details	2023-24		2022-23	
	(in lakh b/s)	(in '000 Tons)	(in lakh b/s)	(in '000 Tons)
Supply				
Opening Stock	28.90	491.30	24.00	408.00
Cotton Pressing	294.10	4999.70	318.90	5421.30
Imports	22.00	374.00	12.50	212.50
Total Supply	345.00	5865.00	355.40	6041.80
Demand				
Mill Consumption	280.00	4760.00	280.00	4760.00
Consumption by SSI Units	15.00	255.00	15.00	255.00
Non- Mill Consumption	16.00	272.00	16.00	272.00
Total Domestic Demand	311.00	5287.00	311.00	5287.00
Available Surplus	34.00	578.00	44.40	754.80
Exports	14.00	238.00	15.50	263.50
Closing Stock	20.00	340.00	28.90	491.30



170 किलोग्राम की 12.50 लाख गांठों के मुकाबले प्रत्येक (162 किलोग्राम की 23.09 लाख रनिंग गांठों के बराबर)। प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 13.12 लाख रनिंग गांठों के बराबर) पिछले सीजन के लिए अनुमानित है। चालू फसल वर्ष 2023-24 के लिए अनुमानित कपास आयात 170 किलोग्राम की 9.50 लाख गांठ अधिक है। प्रत्येक की तुलना पिछले वर्ष से की गई। 31 दिसम्बर 2023 तक लगभग 4.00 लाख गांठें 170 कि.ग्रा. अनुमान है कि प्रत्येक (162 किलोग्राम की 4.20 लाख गांठों के बराबर) भारतीय बंदरगाहों पर पहुंच चुकी है।

सीएआई फसल रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं: -

उपभोग

सीएआई ने 2023-24 सीजन के लिए कपास की खपत 170 किलोग्राम की 311 लाख गांठें बनाए रखी है। प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 326.36 लाख रनिंग गांठों के बराबर) यानी पहले अनुमान के समान। 31 दिसंबर 2023 तक 81 लाख गांठ 170 किलोग्राम की खपत का अनुमान है। प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 85 लाख रनिंग गांठों के बराबर)।

कपास प्रेसिंग

सीएआई फसल समिति की बैठक में अपकंटी एसोसिएशनों और व्यापार स्रोतों द्वारा प्रस्तुत फसल रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने 170 किलोग्राम की 294.10 लाख गांठ पर कपास की बुआई बरकरार रखी है। प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 308.62 लाख रनिंग गांठों के बराबर)। समिति के सदस्य अगले महीनों में कपास की बढ़ती संख्या पर कड़ी नजर रखेंगे और यदि बढ़ती संख्या में कोई वृद्धि या कमी करने की आवश्यकता होगी, तो सीएआई रिपोर्ट में ऐसा किया जाएगा।

आयात

2023-24 सीजन के दौरान भारत में कपास का आयात भी 170 किलोग्राम की 22 लाख गांठ पर बना हुआ है।

निर्यात

समिति ने कपास निर्यात का अनुमान 170 किलोग्राम की 14 लाख गांठ पर बरकरार रखा है। प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 14.69 लाख रनिंग गांठों के बराबर)। फसल वर्ष 2023-24 के लिए कपास का निर्यात 170 किलोग्राम की 1.50 लाख गांठ कम होने का अनुमान है। प्रत्येक 170 किलोग्राम की 15.50 लाख गांठों के मुकाबले। पिछले सीजन के लिए प्रत्येक (प्रत्येक 162 किलोग्राम की 16.27 लाख रनिंग गांठों के बराबर) का अनुमान है।

30 सितंबर 2024 को अंतिम स्टॉक

30 सितंबर 2024 को अंतिम स्टॉक 170 किलोग्राम की 20 लाख गांठ होने का अनुमान है। 170 किलोग्राम की 28.90 लाख गांठों के मुकाबले प्रत्येक (162 किलोग्राम की 20.99 लाख रनिंग गांठों के बराबर)। प्रत्येक (पिछले वर्ष 162 किलोग्राम की 30.33 लाख रनिंग गांठों के बराबर)।

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

जीएचसीएल टेक्सटाइल्स ने तमिलनाडु में 535 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। 100 प्रतिशत कॉम्ब्ड कॉटन कॉम्पैक्ट रिंग स्पन यार्न, कॉटन ओपन एंड यार्न, 100% सिंथेटिक और ब्लेंड रिंग स्पन यार्न, वोर्टेक्स यार्न और टीएफओ यार्न के निर्माता और आपूर्तिकर्ता जीएचसीएल टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने निवेश के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। हाल ही में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट 2024 में 535 करोड़ रुपये का।

कोई नया ऑर्डर नहीं, तेलंगाना के सिरसिला में पॉलिएस्टर बुनकरों का भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। राजन्ना-सिरसिला जिले में कपड़ा उद्योग एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है, जिसका अगर तुरंत समाधान नहीं किया गया, तो सैकड़ों परिवारों के लिए विनाश होगा। जिले की कई पॉलिएस्टर विनिर्माण इकाइयां संक्रांति के बाद परिचालन फिर से शुरू नहीं कर पाएंगी। पॉलिएस्टर क्लॉथ्स एसोसिएशन द्वारा बुलाई गई एक आपातकालीन बैठक में, संगठन के अध्यक्ष मंडला सत्यम ने आधिकारिक तौर पर बिजली करघों को बंद करने की घोषणा की।

भारी बारिश के बाद ऑस्ट्रेलिया में कपास की फसल का परिदृश्य बेहतर हुआ। देश के उद्योग समूह के अनुसार, पिछले साल उत्पादक क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद ऑस्ट्रेलिया की कपास की फसल के लिए परिदृश्य में सुधार हुआ है, जिसने कुछ किसानों को अपने रोपण को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है।

अबोहर में कपास किसानों ने यातायात अवरुद्ध किया। भारतीय कपास निगम (सीसीआई) द्वारा एमएसपी पर नरमा कपास की खरीद में कथित अनिच्छा के विरोध में, सैकड़ों किसानों ने अपना चक्का जाम विरोध जारी रखते हुए कल रात यहां नई अनाज मंडी के बाहर बिताई।

सीआईटीआई का कहना है कि कताई क्षेत्र को धीमी गति के निर्यात की भरपाई करनी है। कपड़ा मिल संघों ने भारत के कताई क्षेत्र के लिए वित्तीय सहायता मांगी, जिसे मौजूदा यूक्रेन-रूस संकट, वर्तमान इजराइल-हमास युद्ध, कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क और मानव गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों से जुड़ी चुनौतियों से नुकसान हुआ है, फाइबर बनाया।

कॉटन फिजिकल मार्केट जनवरी माह के दूसरे सप्ताह कॉटन के भाव में कहीं बढ़त वाला माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए बढ़त वाला रहा। नार्थ, साउथ और सेंट्रल तीनों झोनो में कहीं बढ़त तो कहीं स्थिरता देखी गई।

नार्थ झोन पंजाब कई मंडियों में हड़ताल चलने के करना भाव स्थिर देखे गए। अपर राजस्थान में 25 रुपए प्रति मंड की बढ़त देखने को मिली, हरयाणा का मार्केट 75 रुपए प्रति मंड बढ़ा।

वही सेंट्रल झोन में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात बाजार में क्रमशः 200,200 और 100 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखी गई।

साउथ झोन मार्केट में भी ओडिशा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में स्थिरता देखी गई।

STATE		STAPLE LENGTH		08.01.24		13.01.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH			
NORTH ZONE								
PUNJAB	28.5	5,425	5,475	5,425	5,475			0
HARYANA	27.5/28	5,400	5,400	5,425	5,425			25
UPER RAJASTHAN	28	4,950	5,450	4,950	5,525			75
CENTRAL ZONE								
GUJARAT	29	54,500	55,300	55,300	55,500			200
MADHYA PRADESH	29	54,000	54,500	54,200	54,700			200
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,200	54,700	54,100	54,800			100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
SOUTH ZONE								
ODISHA	29.5+	55,000	55,100	54,900	55,100			0
KARNATAKA	29 mm	54,000	54,500	54,000	54,500			0
ANDHRA PRADESH	29	54,000	54,500	54,000	54,500			0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,200	55,600	55,200	55,600			0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								



NEWSLETTER

Saturday, 13 January 2024 | Volume - 80

Interview | Weekly cotton bales market | Weekly cotton arrival | Important News



CAI maintain its december pres-
sing estimate for 2023-24
cotton season at 294.10 lakh bales



GOLD : 62390
SILVER : 72573
CRUDE OIL : 6045

Summary of the conversation on current issues with Mr. Rajesh Gupta, a well-known cotton broker from Indore in Madhya Pradesh.



"Demand for Cotton:
A Critical Study of Fashion, Economic
Conditions, and Population Growth"

Rajesh Gupta (Cotton Broker), Indore

Rajesh ji supplies cotton of Madhya Pradesh and Maharashtra to various mills in which the mills of Maharashtra, Madhya Pradesh and South are the main ones. He is well aware of the current situation of the mills that due to which the demand of cotton may go up and down, what are the reasons due to which the demand of cotton is weak this year, he explained those circumstances in detail. This year, the demand in the textile or garment sector is very low and the demand for yarn in the international market is also low, due to which the export of yarn is very less. Many mills in the South are partially closed, and even among the mills that are running, many have reduced production by 30% to 50%. The spinning mills have been operating at a loss for the last 14 months. Whereas this year the quality of cotton is better than last year. Due to sluggish demand for cotton from mills and low cotton prices, CCI has come to the market to purchase cotton. This year the cotton season may end by July-August. Like every year, the season will not last long because farmers are in no mood to store/hold the cotton, hence ginning industries are able to get good quality of cotton.

The demand for cotton is influenced by various factors including the global textile industry, fashion trends, economic conditions and population growth. Here are some of the major factors that contribute to the demand for cotton:

Textile Industry: Cotton is a major raw material for the textile industry. The demand for cotton is closely related to the production of yarn and cloth. Countries with large textile industries such as China, India and Bangladesh are important consumers of cotton.

Fashion Trends: Consumer preferences and fashion trends also play an important role in increasing the demand for cotton. Natural fibers such as cotton are often preferred for their comfort, breathability, and versatility, making them popular choices in clothing and home textiles.

Economic conditions: Economic growth and consumer purchasing power affect the demand for clothing and textiles. During periods of economic prosperity, people spend more on clothing, increasing the demand for cotton.

Population Growth: As the global population is increasing, the demand for textiles, including cotton-based products, is also increasing. The growing middle class in emerging economies often leads to greater consumption of clothing and textiles.

Government Policies and Trade Agreements: Government policies, subsidies and trade agreements can also affect the demand for cotton. Changes in trade regulations, tariffs and subsidies may impact the competitiveness of cotton in the global market.

Weather conditions: Cotton cultivation is highly dependent on weather conditions. Adverse weather events such as drought or flooding can affect cotton yields, affecting overall supply and subsequently demand and prices.

It is important to note that cotton market dynamics can change, and different factors can interact in complex ways. It is essential to monitor global economic trends, fashion preferences and developments in the textile industry to understand and forecast the demand for cotton.

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77775

WEEKLY CHART 13.01.2024

ICE COTTON

MONTH	05.01.24	12.01.24	WEEKLY CHANGE
MARCH	80.19	81.31	1.12
MAY	81.35	82.29	0.94
JULY	82.15	82.94	0.79

MCX (COTTON)

JAN	56100	55760	-340
MAR	57520	57200	-320

NCDEX (KAPAS)

APRIL	1545	1541.5	-3.5
-------	------	--------	------

NCDEX (COCUD KHAL)

JAN	2729	2678	-51
FEB	2756	2704	-52
MAR	2786	2732	-54

SMART INFO SERVICE CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	83.15	82.92	-0.23
PAK (Pakistani Rupee)	281.546	280.387	-1.159
CNY (Chinese yuan)	7.11482	7.12003	0.00521
BRAZIL (Real)	4.87520	4.86184	-0.01336
AUSTRALIAN Dollar	1.48940	1.49580	0.0064
MALAYSIAN RINGGITS	4.65213	4.64677	-0.00536

COTLOOK "A" INDEX	90.40	91.65	1.25
BRAZIL COTTON INDEX	81.96	81.11	-0.85
USDA SPOT RATE	76.33	77.49	1.16
MCX SPOT RATE	55280	55300	20
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17800	19000	1200

GOLD (\$)	2052.80	2053.50	0.7
SILVER (\$)	23.385	23.363	-0.022
CRUDE (\$)	73.95	72.76	-1.19

There was a rise in the international cotton market in the second week of January 2024.

Cotton prices for March 24, May, 24 and July 24 months of International Cotton Exchange increased by 1.12, 0.94 and 0.79 cents respectively.

A decline was seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. A decline of Rs 340 per candy was seen in the deal price in the month of January.

On NCDEX, cotton prices fell by Rs 3.5 per 20 kg, while the price of cotton fell by Rs 51 and Rs 52 per quintal in the months of January and February respectively.

If we look at the cotton market of other countries, an increase was seen in the Cottonlook "A" index, USDA spot rate fell by 1.16 cents and MCX spot rate increased by Rs 20 per candy, while a decline of 0.85 points was recorded on the Brazilian Cotton Index.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES

ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL

CALL : 91119 77775

STATE	08.01.24	09.01.24	10.01.24	11.01.24	12.01.24	13.01.24
PUNJAB	2,500	2,500	2,500	2,500	2,000	1,500
HARYANA	5,000	5,000	5,000	4,500	5,000	5,000
UPPER RAJASTHAN	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000	8,000
LOWER RAJASTHAN	6,000	6,000	6,000	6,000	6,500	6,000
NORTH ZONE	21,500	21,500	21,500	21,000	21,500	20,500
GUJRAT	38,000	38,000	37,000	37,000	37,000	32,000
MADHYA PRADESH	8,000	10,000	13,000	12,000	15,000	10,000
MAHARASHTRA	50,000	45,000	45,000	45,000	45,000	50,000
CENTRAL ZONE	96,000	93,000	95,000	94,000	97,000	92,000
KARNATAKA	20,000	16,000	18,000	15,000	13,000	12,000
ANDHRA PRADESH	6,000	6,000	6,000	5,000	6,000	5,000
TELANGANA	45,000	45,000	50,000	25,000	30,000	28,000
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	71,000	67,000	74,000	45,000	49,000	45,000
ODISHA	2,500	3,000	3,500	4,500	4,500	3,500
TOTAL	191,000	184,500	194,000	164,500	172,000	161,000

ARRIVAL IN 170 Kg.



POONAM ENGINEERING WORKS

| All Pulses Dall Mill are Manufacturing | Grain Cleaning Plant, | Besan Plant | Chakki Aata Plant | Industrial Dust Collector etc.

Our New Established Farm



Plot No. N-243 & N-246 MIDC Phase 4, Near Yevta Square, Akola Growth Center, Shivapur, Akola, Dist. Akola - MH (INDIA) - 444 104

Mob.: +91 9766477484, +91 9730003529, 0724-2991484

Office No. : +91 9371007484

Web : www.poonamengworks.in

Email : poonamengworks4@gmail.com

CAI maintain its december pressing estimate for 2023-24 cotton season at 294.10 lakh bales

COTTON ASSOCIATION OF INDIA				
INDIAN COTTON BALANCE SHEET FOR THE SEASON 2023-24 AND 2022-23				
Estimated as on 31st December 2023				
SMART INFO SERVICES CALL 91119 77775				
Details	2023-24		2022-23	
	(in lakh b/s)	(in '000 Tons)	(in lakh b/s)	(in '000 Tons)
Supply				
Opening Stock	28.90	491.30	24.00	408.00
Cotton Pressing	294.10	4999.70	318.90	5421.30
Imports	22.00	374.00	12.50	212.50
Total Supply	345.00	5865.00	355.40	6041.80
Demand				
Mill Consumption	280.00	4760.00	280.00	4760.00
Consumption by SSI Units	15.00	255.00	15.00	255.00
Non- Mill Consumption	16.00	272.00	16.00	272.00
Total Domestic Demand	311.00	5287.00	311.00	5287.00
Available Surplus	34.00	578.00	44.40	754.80
Exports	14.00	238.00	15.50	263.50
Closing Stock	20.00	340.00	28.90	491.30



each (equivalent to 23.09 lakh running bales of 162 kgs. each) as against 12.50 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 13.12 lakh running bales of 162 kgs. each) estimated for last season. The cotton imports estimated for the ongoing crop year 2023-24 are higher by 9.50 lakh bales of 170 kgs. each compared to last year. Upto 31 st December 2023, about 4.00 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 4.20 lakh running bales of 162 kgs. each) are estimated to have arrived the Indian Ports.

The following are the salient features of the CAI crop report : -

CONSUMPTION

The CAI has maintained cotton consumption for 2023-24 season at 311 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 326.36 lakh running bales of 162 kgs. each) i.e. same as estimated previously. Upto 31st December 2023, the consumption is estimated at 81 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 85 lakh running bales of 162 kgs. each).

COTTON PRESSING

As per the crop report submitted by upcountry associations and trade sources at the meeting of the CAI Crop Committee, the Committee has retained its cotton pressing at 294.10 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 308.62 lakh running bales of 162 kgs. each). The Committee members will have a close watch on the pressing numbers of cotton in the subsequent months and if any addition or reduction is required to be made in the pressing numbers, the same will be made in the CAI report.

IMPORTS

The cotton imports into India during 2023-24 season are also maintained at 22 lakh bales of 170 kgs

EXPORTS

The Committee has retained its cotton exports estimate at 14 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 14.69 lakh running bales of 162 kgs. each). The cotton exports for 2023-24 crop year are estimated to be lower at 1.50 lakh bales of 170 kgs. each as against 15.50 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 16.27 lakh running bales of 162 kgs. each) estimated for the last season.

CLOSING STOCK AS AT 30 TH SEPTEMBER 2024

The closing stock as on 30th September 2024 is estimated at 20 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 20.99 lakh running bales of 162 kgs. each) as against 28.90 lakh bales of 170 kgs. each (equivalent to 30.33 lakh running bales of 162 kgs. each) in last year.

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

GHCL Textiles signs MoU to invest Rs 535 crore in Tamil Nadu

GHCL Textiles Limited, manufacturer and supplier of 100% combed cotton compact ring spun yarn, cotton open end yarn, 100% synthetic and blended ring spun yarn, vortex yarn and TFO yarn, signed an MoU with the Government of Tamil Nadu for investment. Rs 535 crore in the recently concluded Global Investors Meet 2024.

No new orders, future looks bleak for polyester weavers in Sircilla, Telangana

The textile industry in Rajanna-Sirsilla district is facing a serious crisis which, if not resolved immediately, will spell ruin for hundreds of families. Many polyester manufacturing units in the district will not be able to resume operations after Sankranti. At an emergency meeting called by the Polyester Clothes Association, Mandla Satyam, president of the organization, officially announced the closure of power looms.

Cotton crop outlook improves in Australia after heavy rains

The outlook for Australia's cotton crop has improved after heavy rains in growing areas last year prompted some farmers to boost their plantings, according to the country's industry group.

Cotton farmers blocked traffic in Abohar

Hundreds of farmers spent last night outside the new grain market here, continuing their Chakka Jam protest, in protest against Cotton Corporation of India's (CCI) alleged reluctance to procure Narma cotton at MSP.

CITI says spinning sector has to compensate for slowing exports

Textile mill unions sought financial assistance for India's spinning sector, which has been hit by challenges related to the ongoing Ukraine-Russia crisis, the ongoing Israel-Hamas war, 11 per cent import duty on cotton and human quality control orders Made fiber.

Cotton Physical Market: There was an upward trend in cotton prices in the second week of January.

This week was a positive one for the cotton physical market. In all the three zones, North, South and Central, there was some progress and some stability.

In North Zone Punjab, prices were seen stable due to strike in many markets. An increase of Rs 25 per maund was seen in Upper Rajasthan, Haryana market increased by Rs 75 per maund.

In the Central Zone, Madhya Pradesh, Maharashtra and Gujarat markets saw an increase of Rs 200, 200 and Rs 100 per candy respectively.

South zone market also witnessed stability in Odisha, Karnataka, Andhra Pradesh and Telangana.

		SMART INFO SERVICES				
		india.smartinfo@gmail.com				
		Call : 91119 77775				
		DATE: 13.01.2024				
WEEKLY COTTON BALES MARKET						
STATE	STAPLE LENGTH	08.01.24		13.01.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,425	5,475	5,425	5,475	0
HARYANA	27.5/28	5,400	5,400	5,425	5,425	25
UPPER RAJASTHAN	28	4,950	5,450	4,950	5,525	75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	54,500	55,300	55,300	55,500	200
MADHYA PRADESH	29	54,000	54,500	54,200	54,700	200
MAHARASHTRA	29+ vid.	54,200	54,700	54,100	54,800	100
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	55,000	55,100	54,900	55,100	0
KARNATAKA	29 mm	54,000	54,500	54,000	54,500	0
ANDHRA PRADESH	29	54,000	54,500	54,000	54,500	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	55,200	55,600	55,200	55,600	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						